कालीसिंध चंबल पार्वती लिंक में बड़े बांधों का विरोध

दिग्विजय बोले—छोटे बांध बनें, ज़मीन बचे-ज़्यादा किसान लाभान्वित हों

नवभारत न्यूज

गुना 16 नव. का। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने रविवार को कुंभराज क्षेत्र के घाटाखेड़ी गांव में पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो लिंक परियोजना की समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में वह अपने साथ कई विशेषज्ञ इंजीनियरों को लेकर पहुंचे थे। समीक्षा के दौरान, दिग्विजय सिंह ने घाटाखेड़ी में प्रस्तावित बड़े बांध को गैर-जरूरी बताया और इसके विकल्प के तौर पर 3-4 छोटे बांध बनाने का सुझाव दिया।

दिग्विजय सिंह के साथ आए विशेषज्ञ इंजीनियरों ने भी यह मत व्यक्त किया कि क्षेत्र में इतने बड़े बांध की आवश्यकता नहीं है। घाटाखेड़ी और आसपास के ग्रामीणों ने भी दिग्विजय सिंह से चर्चा की और बड़े बांध बनने से होने वाली अपनी संभावित समस्याओं को सामने रखा। उन्होंने विशेषज्ञों से भी सवाल-जवाब किए।

किसानों से चर्चा करते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि पहले बांध बनाते समय यह ध्यान रखा जाता था कि सिंचित जमीन कम से कम अधिग्रहीत हो, साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों को लागू करने का प्रयास किया जाता था। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि पार्वती नदी पर नरसिंहग? के पास बने बांध में ज्यादातर वन भूमि अधिग्रहीत हुई, लेकिन सुठालिया बांध में अधिकांश किसानों की जमीन डूब क्षेत्र में चली गई। दिग्विजय सिंह ने पार्वती नदी पर प्रस्तावित दीतलवाड़ा और घाटाखेड़ी बांधों पर अपनी राय स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि दीतलवाड़ा में भी अत्यधिक लागत और ज्यादा जमीन डूब क्षेत्र में आने के कारण उन्होंने इसके पुनर्मूल्यांकन का प्रस्ताव दिया था। इसके बाद विभाग ने घाटाखेड़ी में बांध का प्रपोजल दे दिया।

दोनों गांव में बड़े बांध किसानों की जमीन डुबो देंगे उन्होंने उन पर और जयवर्धन सिंह पर लग रहे राघौगढ़ की जमीन बचाने के लिए घाटाखेड़ी में बांध बनवाने के आरोपों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह दीतलवाड़ा हो या घाटाखेड़ी, दोनों जगह बड़े बांध बनाने के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, यही राय मेरी सुठालिया बांध को लेकर भी है, क्योंकि हमेशा प्रयास रहा कि हमें जितना ज्यादा हो सके छोटे-छोटे बांध बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान वाटरशेड के जरिए गांव का पानी गांव में और खेत का पानी खेत में रखने का प्रयास किया गया था, लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद यह योजना हटा दी गई। उन्होंने पार्वती-चंबल-कालीसिंध नदियों का पानी एक-दूसरे राज्यों में ले जाने की योजना को बहुत महंगी बताते हुए कहा कि इसमें पाइपलाइन की आवश्यकता होगी, जिससे खर्च बढ़ायाएगा।

10 हजार एकड़ से ज्यादा डूब वाली जमीन के लिए केंद्रीय जल आयोग की मंजूरी जरूरी

उन्होंने आरोप लगाया कि बांध बनाने के दौरान केंद्र और राज्य सरकार के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है, जबकि जिस बांध के लिए 10 हजार एकड़ से ज्यादा जमीन डूब में आती हो, उसका प्रपोजल केंद्रीय जल आयोग को भेजना अनिवार्य होता है।

विशेषज्ञों की सलाहः छोटे बांध बनाए जाएं

दिग्विजय सिंह ने बड़े बांधों की जगह छोटे बांध बनाने पर जोर दिया और उनके संचालन के लिए महत्वपूर्ण तकनीकी सुझाव भी दिए। उन्होंने कंप्यूटर तकनीक से छोटे बांधों का संचालन करने का सुझाव दिया, जिसके जरिए बारिश आने पर बांध के गेट खुल जाएंगे और आवश्यकता होने पर गेट बंद होंगे।

साथ ही, उन्होंने स्टॉपडेम बनाकर भी पानी रोकने का सुझाव दिया। दिग्विजय सिंह ने विधायक सहित अन्य भाजपा नेताओं को भी समीक्षा बैठक में स्वयं आमंत्रित किया था लेकिन कोई भी नही पहुँचा।

देवरी नपाध्यक्ष भाजपा से निष्कासित

भाजपा जिला अध्यक्ष ने जारी किया सदस्यता निष्कासन पत्र

---श्रीमती नेहा अलकेश जैन----

नवभारत न्यूज

सागर 16 नवम्बर. भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष श्रीमति रानी कुशवाहा ने नगरपालिका परिषद देवरी की अध्यक्ष श्रीमति नेहा जैन और उनके पति अलकेश जैन को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया. यह कार्रवाई प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश पर की गई.

प्राप्त जानकारी के अनुसार भाजपा जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) रानी कुशवाहा द्वारा जारी निष्कासन पत्र के अनुसार वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में दोनों द्वारा भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी बृजबिहारी पटैरिया का खुला विरोध किया गया. संगठन ने स्पष्ट किया है कि इस संबंध में उपलब्ध फोटो और अन्य प्रमाण उनके जवाब को गलत ठहराते हैं, जिला संगठन के अनुसार दोनों का स्पष्टीकरण आरोपों को नकारने में पूरी तरह विफल रहा. पत्र में बताया गया है कि अध्यक्ष बनने के बाद नेहा जैन ने नगरपालिका परिषद की पीआईसी में बार-बार कांग्रेस पार्षद त्रिवेन्द्र जाट को शामिल किया, जबकि परिषद में भाजपा के 13 पार्षद मौजूद हैं. जिला अध्यक्ष ने इसे पार्टी लाइन के विपरीत कदम व अनुशासनहीनता बताया. पत्र में बताया गया कि नेहा जैन द्वारा यह कहा गया था कि पार्षद त्रिवेन्द्र जाट ने 25 मार्च 2023 को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था.

प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर तत्काल प्रभाव से निष्कासन

जानकारी के अनुसार प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर जिला संगठन के अनुसार कारण बताओ नोटिस के जवाब में संतोषजनक तथ्य न मिलने और आरोपों के पुष्ट होने के बाद दोनों को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निकालने का निर्णय लिया गया. जानकारी के अनुसार इस निष्कासन प्रतिलिपि प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संगठन महामंत्री, संभाग प्रभारी और जिला प्रभारी को भेजी गई है. उल्लेखनीय है कि देवरी नगर पालिका परिषद पार्षदों और अध्यक्ष का विवाद भोपाल तक पहुंच गया था.

फ्लेक्स से नाम-फोटो हटाने का भी आरोप

भाजपा जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) रानी कुशवाहा द्वारा जारी निष्कासन पत्र के अनुसार प्रदेश महामंत्री श्रीमति लता वानखेड़े के स्वागत कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष, क्षेत्रीय विधायक और जिला अध्यक्ष की फोटो फ्लेक्स में नहीं लगाई गई. संगठन ने इसे नेहा जैन की निरंकुश कार्यशैली का उदाहरण बताया है.

ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी एक्सप्रेस में महिला का पर्स चोरी, सामान गायब

गुना। जीआरपी थाना क्षेत्र में इंटरसिटी एक्सप्रेस से यात्रा कर रही एक महिला के पर्स से सोने-चांदी के गहने और नकदी चोरी होने का मामला सामने आया है। फरियादिया बंटी जैन, निवासी निजुर कॉलोनी गुना ने थाने में आवेदन देकर बताया कि गत दिवस वह ट्रेन क्रमांक 12198 ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी एक्सप्रेस के पीछे वाले जनरल कोच में अपनी बहनों के साथ गुना से अशोकनगर जा रही थीं। यात्रा के दौरान उन्होंने अपना काला पर्स सीट पर रखा हुआ था, जिसमें सफेद रंग का एक लेडीज पर्स अंदर रखा था। कुछ देर बाद उन्होंने देखा कि काले पर्स की जिप खुली हुई थी और अंदर रखा सफेद पर्स गायब था। पर्स चोरी होने का एहसास होते ही उन्होंने आसपास खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। महिला के अनुसार चोरी हुए पर्स में लगभग 20 ग्राम का सोने का मंगलसूत्र (कीमत करीब 30,000 रुपये), करीब 100 ग्राम की चांदी की पायल (कीमत लगभग 5,000 रुपये) और 50,000 रुपये नकद रखे थे। कुल मिलाकर 85,000 रुपये का सामान चोरी हुआ है। उन्होंने बताया कि यह मंगलसूत्र और पायल उनकी शादी के समय के हैं और लगभग 20 साल पुराने होने के कारण इनके बिल उनके पास नहीं हैं।

गोदाम में मिला कोबरा सर्पमित्र ने किया रेस्क्यू

बैतूल। खेड़ी सांवलीगढ़ स्थित वेयरहाउस में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब मूंग की बोरियों के नीचे एक कोबरा सांप मिला. मजदूरों ने जैसे ही बोरी हटाई, कोबरा ने सिर उठाया, जिससे गोदाम में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर सर्पमित्र विशाल विश्वकर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने अपने अनुभव से इस आक्रामक कोबरा का सुरक्षित रेस्क्यू किया। विशाल ने बताया कि सांप का फन पूरी तरह कटा हुआ था, फिर भी उसकी फुंकार और फुर्ती में कोई कमी नहीं थी।

जिले में बढ़ी ठिठुरन, रिकार्ड 6 डिग्री पर पहुंचा तापमान

नवम्बर माह के दूसरे पखवाड़े में रिकार्ड पारा गिरा

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 16 नवंबर, का. नवम्बर माह का दूसरा पखवाड़ा शुरु होते ही रविवार को न्यूनतम तापमान 6 डिग्री के रिकार्ड पर जा पहुंचा. वर्षो बाद नवम्बर माह के दूसरे पखवाड़े में न्यूनतम तापमान में इतनी अधिक गिरावट होना सामने आया है. सर्द हवाओं के साथ ठंड के प्रकोप ने कंपकंपा दिया. इस सीजन का यह सबसे कम न्यूनतम तापमान रहा.

उल्लेखनीय है कि एक सप्ताह पूर्व रविवार को ही न्यूनतम तापमान 7 डिग्री पर जा पहुंचा था. इसके बाद तापमान में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनते हुए 7 से 8 एवं 9 डिग्री के मध्य तापमान बना रहा. शनिवार को न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री पर रहा जो रविवार को 6 डिग्री पर जा पहुंचा. मौसम विभाग के अनुसार रविवार को इस सीजन का सबसे कम तापमान रहा. वर्षो बाद नवम्बर माह के दूसरे पखवाड़े में इतना कम तापमान पहुंचा है.

बेसहारा गौवंश की परेशानी बढ़ी

ठंड के बढ़ते प्रकोप के साथ ही बेसहारा गौवंश की परेशानी बढ़ गई है. खुले आसमान के नीचे कड़ाके की ठंड के बीच गौवंश रहने को मजबूर है. नगर सहित जिले भर में हाईवे, चौराहो, सड़को पर हजारों की तादाद में बेसहारा गौवंश है. बेसहारा गौवंश की सुरक्षा एवं उनकी देखरेख के लिए शासन प्रशासन द्वारा सख्त दिशा निर्देश दिए गये बावजूद इसके आज भी हजारों की संख्या में बेसहारा गौवंश हाईवे, सड़क, चौराहों पर है.

दिन में भी ठंड का प्रकोप

रविवार को दिन भर ठंड का प्रकोप बना रहा. शाम होते ही ठंड का प्रकोप कहीं अधिक बढ़ गया. एकाएक बढ़े ठंड के प्रभाव ने लोगो को ठिठुरा दिया. गर्म कपड़े सहित अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है. जगह-जगह अलाव जलते हुए देखे गये.

राज्यमंत्री ने पकड़ी अवैध खनन कर रहीं मशीनें

प्रशासन ने एक मशीन जब्त की, दूसरी की तलाश अभी भी जारी

पार्वती नदी में अवैध खनन का किया पर्दाफाश

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 16 नवम्बर, का. सुठालिया क्षेत्र में भ्रमण के दौरान अवैध खनन का मामला सामने आने पर राज्यमंत्री नारायण सिंह पंवार द्वारा मौके पर से खनन कर रही दो मशीनें पकड़ी तथा इस मामले की सूचना तुरंत कलेक्टर,एसपी को दी.

जानकारी के अनुसार सुठालिया के समीप पार्वती नदी पर अवैध खनन किया जा रहा था. उसी दौरान क्षेत्र भ्रमण पर गए मंत्री श्री पंवार ने मशीनों को

खनन करता देख तो दोनों मशीनों को पकड़ा. स्टॉफ द्वारा उनकी चाबियां ले ली गई.प्रशासन को सूचना देने व मशीनें गांव कोटवार को बुलाकर उसके सुपुर्द कर मंत्री श्री पंवार अपने आगे के दौरा कार्यक्रम की और चल दिये.

हालांकि उनके जाते ही संबंधित लोग बिना चाबी के मशीने ले भागे. बाद में मौके पर पहुंचे एसडीओपी व सुठालिया तहसीलदार ने एक मशीन को जप्त कर लिया तथा दूसरी मशीन की तलाश है.

सेमलापार के समीप पार्वती नदी पर बने उच्च स्तरीय पुल के एप्रोच रोड के समीप खोदाई की जा रही है. ऐसे में एप्रोच रोड के ढहने के साथ ही पुल के पिलरों को भी नुकसान होना शुरू हो जाएगा.

> क्षेत्र भ्रमण के दौरान पार्वती नदी में अवैध खनन कर रही दो मशीनों को पकड़ा. सूचना पर मौके पर प्रशासन पहुंचा तब तक मशीने डायरेक्ट स्टार्ट करके संबंधित भगा ले गए. मैंने कलेक्टर, एसपी से मौक से ही बात कर कार्रवाई के निर्देश दिए है. जितना खनन हुआ है समग्र वसूली संबंधितों से करने को कहा है.
>
> **नारायणसिंह पंवार**
> **राज्यमंत्री मप्र शासन**

गोला कुआं तिराहा लक्ष्मीपुरा में हटाया गया अतिक्रमण

सागर 16 नवम्बर. रहवासी और व्यवसायिक क्षेत्रों में दुकानों के बाहर टीन चद्दर के शेड लगाकर और दुकान की हद के बाहर तक विक्रय सामग्री फैलाने वालों के शेड आदि अतिक्रमण हटाएं और सामग्री जब्त कर चालानी कार्यवाही करें.

श्गोला कुआँ तिराहा के आस-पास अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही कराते हुए निगमकर्मियों से निगमायुक्त ने कहा कि वार्डो, मुख्यमार्गों सहित शहर को सब ओर से अतिक्रमण मुक्त बनाकर सड़कों पर सुगम आवागमन के साथ शहर सुव्यवस्थित, साफ, स्वच्छ, सुंदर बनाने के लिए यह मुहिम लगातार चलाएं. अतिक्रमण टीम बुल्डोजर सहित गोला कुआं तिराहा लक्ष्मीपुरा में पहुंची और विभिन्न दुकानों-मकानों की हद से बाहर निकले चद्दर टीन शेड सहित सड़क पर बने चबूतरे-दिवार आदि अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया.

भीष्म प्रतिज्ञा – कभी भी लेटकर नींद नहीं लूंगा...

नवभारत न्यूज

खिरकिया. जब एक शक्ति दूसरी शक्ति के स्थान पर पहुंचती हैं तो मानो अतिरिक्त ऊर्जा का संचार होता है। ऐसी ही एक शक्ति तपसाधक श्री शीतलराजजी म.सा. आड़ा आसान (सोना) त्यागकर साधना कर रहे है। अपनी दीक्षा के लगभग 60 बसंत पूर्ण कर चुके महायोगी फक्कड़ संत लगभग 50 वर्ष से एकासना तप धारी पूज्य गुरु शीतल राज जी मसा बैतूल से वर्षावास पूर्ण कर जंगल में विहार करते हुए काली घोड़ी पहुंचे। काली घोड़ी काली माता के प्रसिद्ध शक्तिपीठ के प्रसिद्ध है। गुरुदेव का आंवलिया होकर फिलहाल आशापुर छनेरा पहुंचेंगे। आगे बड़वाह, करही इंदौर की संभावना रहेगी। गुरुदेव का आगामी वर्षवास शाजापुर संभावित रहेगा। काली घोड़ी से आंवलिया तक का विहार श्री संघ खिरकिया के सदस्यों द्वारा कराया गया,। जानकारी देते हुए श्री संघ संरक्षक ज्ञानचंद मेहता एवं आशीष श्रीश्री माल ने बताया इस अवसर पर छनेरा, जयपुर, बालाघाट, दुर्ग, काला पीपल सहित अन्य स्थानों के गुरु भक्त थे.

अस्पताल के रास्ते पर भरा नाली का पानी

कुरावर 16 नवम्बर, सं. नगर के मुख्य मार्गो सहित अधिकांशत: कॉलोनियों, गली-मोहल्लो में पानी निकासी के उचित प्रबंध नहीं होने से नालियों का गंदा पानी सड़को पर बहता रहता है. खाली प्लाटो पर बारिश का पानी जमा है. इन हालातों के कारण राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ने के साथ ही रहवासी क्षेत्र में पानी जमा होने से मच्छर, कीट पनप रहे है, बीमारी फैल रही है. उल्लेखनीय है कि कुरावर नगर में गली-मोहल्लों, कॉलोनियों के रास्तो के बुरे हाल है. कई जगह नाली नहीं है जहां नाली है तो उनकी निकासी नहीं होने से गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है.

हवा में झूल रहे बिजली की केबल

दुर्घटना से बेखबर बिजली विभाग

नवभारत न्यूज

तलेन 16 नवंबर, सं. सारंगपुर मुख्य मार्ग पर बिजली की झूलती लाईन से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है. दो पोलों पर लटक रही विद्युत लाईन को लकड़ी के खंबे व पेड़ व खेत में लगी तारो की बागर से सहारा देकर ऊंचा किया गया है. वही सारंगपुर रोड पर निवासरत हेमराज यादव ने बताया कि सड़क के किनारे लटक रही बिजली की लाईन से कभी भी हादसे का डर बना हुआ है. इस संबंध में बिजली अधिकारियों को कई बार शिकायत की जा चुकी है. फिर भी बिजली कंपनी के अधिकारी समस्या पर ध्यान

नहीं दे रहे हैं. शायद कोई घटना घटने के बाद ही विद्युत विभाग इस और ध्यान देगा या नींद खुलेगी.

चातुर्मास गुना में भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह सम्पन्न, मुनिसंघ ने धारण कीं नई पिच्छिकाएं

अहिंसा और संयम की परंपरा का उत्सव पिच्छिका परिवर्तन संपन्न

पिच्छिका—निर्वाण की प्रथम सीढ़ी- निर्यापक संत मुनिश्री योगसागरजी महाराज

नवभारत न्यूज

गुना 16 नव. का। शहर में चातुर्मासरत आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज एवं आचार्यश्री समय सागरजी महाराज के गृहस्थ जीवन के सगे भाई निर्यापक संत मुनिश्री योग सागरजी महाराज का ससंघ भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह रविवार को गौशाला में संपन्न हुआ। इस मौके पर मुनिसंघ ने पुरानी पिच्छिकाओं को उन गृहस्थ श्रावकों को सौंप जिन्हें जीवन में नियम-संयम के व्रत लिए। वहीं मुनिसंघ ने अपनी नवीन पिच्छिकाएं धारण की।

इसके पूर्व दोपहर 1 बजे से पार्श्वनाथ बड़ा जैन मंदिर से पिच्छिकाओं का जुलूस मुनिसंघ के सानिध्य में कार्यक्रम स्थल पहुंचा। यहां आचार्यश्री की पूजन उपरांत मुनिश्री निरोग सागरजी महाराज एवं बह्मचारी धीरज भैयाजी के निर्देशन में पिच्छिका परिवर्तन कार्यक्रम आरंभ हुआ।

इस अवसर पर ज्येष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक मुनिश्री योगसागर जी महाराज की पुरानी पिच्छिका लेने का सौभाग्य शोभना राजीव जैन को प्राप्त हुआ। जबकि मुनिश्री निरोगसागरजी महाराज की पुरानी पिच्छिका मंजू शैलेन्द्र जैन मोराजी सागर, मुनिश्री निर्मोहसागरजी महाराज की पुरानी पिच्छिका मधु शैलेन्द्र जैन सागर, मुनिश्री निरामयसागरजी महाराज की पुरानी पिच्छिका अर्चना सनमतकुमार जैन आरोन वाले एवं मुनिश्री निर्भीकसागरजी महाराज की पुरानी पिच्छिका लेने का सौभाग्य नीति विनोदकुमार जैन भोपाल को प्राप्त हुआ। वहीं ऐलकश्री सुधारसागरजी महाराज की पुरानी पिच्छिका स्वाति अमित जैन, ऐलकश्री चैत्य सागरजी महाराज की पुरानी पिच्छिका सुनीता विजयकुमार जैन कदवाया परिवार, ऐलकश्री अपारसागरजी महाराज की पुरानी पिच्छिका सुषमा अनिलकुमार जैन बरखेड़ा परिवार, ऐलकश्री तन्मयसागरजी महाराज की पुरानी पिच्छिका शिल्पी विवेककुमार जैन चौधरी मोहल्ला, ऐलकश्री आगतसागरजी महाराज की पुरानी पिच्छिका लेने का सौभाग्य अल्का संजीवकुमार जैन म्याना परिवार गुना को प्राप्त हुआ। इस वर्ष निर्यापक मुनिश्री योग सागरजी महाराज की नवीन पिच्छिका सम्मेद शिखरजी एवं अन्य मुनिराजों की पिच्छिकाएं अशोकनगर जिले से बनकर आई हैं। उल्लेखनीय है कि दिगंबर जैन मुनियों के लिए पिच्छिका अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण साधना का उपकरण माना जाता है। पिच्छिका मोरपंखों से बनी होती है, जिसे मुनि अपने साथ रखते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य अहिंसा के सिद्धांत का पालन करते हुए मार्ग में आने वाले सूक्ष्म जीवों को हटाकर उन्हें अनजाने में भी हानि पहुँचने से बचाना है।

पिच्छिका उनके व्रतों की पवित्रता

दिगंबर मुनि पिच्छिका से बैठने, चलने या किसी स्थान पर ठहरने से पहले भूमि को हल्का स्पर्श करते हैं, ताकि वहां उपस्थित छोटे-छोटे जीव हट जाएं और उन पर पैर न पड़े। यह अहिंसा, करुणा और सभी जीवों के प्रति संवेदना का प्रतीक है। पिच्छिका मुनियों की साधना का प्रतीक भी मानी जाती है। यह उन्हें स्मरण कराती रहती है कि मुनि मार्ग अहिंसा, संयम, जागरूकता और आत्मशुद्धि का मार्ग है। पिच्छिका उनके व्रतों की पवित्रता और जीवन के हर क्षण में सावधान रहने का संकेत देती है। इसी कारण दिगंबर परंपरा में पिच्छिका का स्थान अत्यंत सम्माननीय है।

तेंदुआ वन विभाग की कैद में ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

नवभारत न्यूज

इटारसी, 16 नवम्बर ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कर्मचारियों, पॉवरग्रिड, पथरोटा सहित आसपास के गांवों के लिए आज सुबह एक बड़ी राहत भरी खबर आई है। पिछले लगभग दो माह से ऑर्डिनेंस फैक्ट्री परिसर, पावरग्रिड और पथरौटा के रिहायशी इलाकों में लगातार अपनी मौजूदगी से दहशत मचा रहे एक तेंदुए को वन विभाग की टीम ने आखिरकार सफलतापूर्वक पिंजरा लगाकर पकड़ लिया है।

वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, पिछले कुछ समय से स्थानीय ग्रामीणों और फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा तेंदुए की मौजूदगी की सूचना लगातार मिल रही थी। यह तेंदुआ ऑर्डिनेंस फैक्ट्री और उससे सटे पथरौटा के रिहायशी इलाके के साथ-साथ पावरग्रिड के क्षेत्र में भी नजर आ रहा था। तेंदुए की इस निरंतर मौजूदगी के कारण पथरौटा, पांडरी सहित आसपास

के गांवों में लोगों ने शाम होते ही घरों से निकलना कम कर दिया था। स्थानीय लोगों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर विशेष डर का माहौल था। ग्रामीणों और कर्मचारियों की लगातार मिल रही शिकायतों और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, वन विभाग ने तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के उस संभावित क्षेत्र में एक विशेष पिंजरा लगाया जहां तेंदुए की मूवमेंट तथा उसकी आवाजाही सबसे अधिक थी।

सतर्कता के कारण रुका बाल विवाह

राजगढ़. जिले में बाल विवाह मुक्त अभियान चलाया जा रहा है जिसमें बाल विवाह के प्रति जागरुक किया जा रहा है. खिलचीपुर तहसील के ग्राम मोकमपुरा एवं खोखेडा में बाल विवाह मुक्त अभियान कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है. कार्यक्रम का उद्देश्य, बाल विवाह के दुष्प्रभाव, कानूनी प्रावधानों तथा रोकथाम के उपायों के प्रति जागरूक करना है. खोखेडा ग्राम में नाबालिक के विवाह की सुचना पर सतकर्ता से बाल विवाह रुकवाने की कार्रवाही की गई. कार्यक्रम में उपस्थित विकासखंड चिकित्सा अधिकारी खिलचीपुर हिमांशु मीणा ने बताया कि बाल विवाह सामाजिक बुराई है, इसे समाप्त करने पर ही समाज का पूर्ण विकास संभव है. वन स्टॉप प्रशासक एवं अभियान की नोडल अधिकारी श्रीमती रश्मि चौहान द्वारा बताया गया की सतर्कता और जागरूकता से ही बाल विवाह जैसी कुरीति से लड़ा जा सकता है.